

आईआईटी इंदौर में दोगुनी हुई गर्ल्स की संख्या

आईआईटी इंदौर से इंजीनियरिंग करने के प्रति लड़कियों का रुझान बढ़ रहा है। पिछली बार नौ लड़कियां थीं, इस बार 18 लड़कियों ने एडमिशन लिया है। आईआईटी इंदौर को अस्थायी तौर पर पीथमपुर ऑटो क्लस्टर की बिल्डिंग भी मिल गई है।

इंजीनियरिंग

गजेन्द्र विश्वकर्मा, इंदौर

आईआईटी-जेईई में सफल होने वालों में लड़कियों की संख्या भले ज्यादा हो लेकिन आईआईटी में लड़कियों की संख्या कम ही रहती है। इंदौर आईआईटी के लिए अच्छी बात है कि यहां लड़कियों की संख्या बढ़ रही है। पिछले साल के मुकाबले दोगुनी लड़कियों ने प्रवेश लिया है।

आईआईटी इंदौर के एकेडमिक अफेयर्स डीन डॉ. एन.के. जैन का कहना है पढ़ाई के साथ रहने के लिए इंदौर को बेहतर माना जाता है। इसीलिए गर्ल्स स्टूडेंट्स का प्रतिशत बढ़ा है। आईआईटी इंदौर में कम्प्यूटर साइंस के सीनियर प्रो. डॉ. नरेन्द्र एस. चौधरी का कहना है कम्प्यूटर साइंस के अलावा दूसरी ब्रांच में धीमी गति से लड़कियों का प्रतिशत बढ़ रहा है। सीनियर प्रो. डॉ. एन.चांदोरकर का कहना है जेईई में गर्ल्स की संख्या बढ़ी है लेकिन इंजीनियरिंग में कम ही आ पा रही है।

एसजीएसआईटीएस में प्रवेश-आईआईटी-जेईई में एआई 406 रैंक पर रही उर्मिला जोशी और 602 रैंक पर रही विशाखा गुप्ता को बाहर के आईआईटी मिल रहे थे। इस वजह से उन्होंने आईआईटी का ख्वाब

इतना फर्क

4.80 लाख स्टूडेंट्स देते हैं हर साल जेईई

1.30 लाख होती हैं गर्ल्स

40 फीसदी को मिलती है सफलता

20 फीसदी भी नहीं पहुंच पाती आईआईटी

छोड़कर एसजीएसआईटीएस में प्रवेश लिया है। ऐसे कई मामले हैं जिनमें स्टूडेंट्स ने अन्य बड़े इंस्टिट्यूट्स की राह छोड़ दी।

नया कैम्पस- आईआईटी प्रशासन को पीथमपुर ऑटो क्लस्टर की बिल्डिंग अस्थायी रूप से मिल गई है। यह आईआईटी इंदौर का का कैम्पस नंबर-2 कहलाएगा।

INTER
EDUCAT